BYJU'S EXAM PREP

Weekly Current Affair

साप्ताहिक करेंट अफेयर्स

(03-09 April 2022)

Table of Contents

International Relations ………………………………………………………………

National……………………………………………………………………………….

State…………………………………………………………………………………….

Polity……………………………………………………………………………………

Economy………………………………………………………………………………..

Defense………………………………………………………………………………..

Science & Technology ……………………………………………………………

Sports………………………………………………………………………...........

Awards And Honours…………………………………………………………………

Appointment/ Resignation……………………………………………………….

Books & Authors……………………………………………………………………..

Important Days……………………………………………………………………….

International Relations

फोर्ब्स विश्व की अरबपतियों की सूची 2022

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, फोर्ब्स ने 36वीं वार्षिक विश्व की अरबपतियों की सूची 2022 जारी की है।
- एलोन मस्क पहली बार इस सूची में शीर्ष पर हैं।

प्रमुख बिंदु

फोर्ब्स विश्व की अरबपतियों की सूची 2022 में शीर्ष 3:

रैंक	नाम	कुल मूल्य	संपत्ति का स्त्रोत
1	एलोन मस्क	219 बिलियन डॉलर	टेस्ला, स्पेसएक्स
2	जेफ बेजोस	171 बिलियन डॉलर	अमेज़ॅन
3	बर्नार्ड अरनॉल्ट एंड फैमिली	158 बिलियन डॉलर	LVMH

- फोर्ब्स ने 2022 विश्व अरबपतियों की सूची के लिए दुनिया भर में 2,668 अरबपति पाए, जो पिछले साल रिकॉर्ड 2,755 से कम है।
- सामूहिक रूप से, उनकी कीमत 12.7 ट्रिलियन डॉलर है, जो 2021 की सूची में 13.1 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड से नीचे है।
- 735 अरबपति नागरिकों के साथ अमेरिका अभी भी सर्वोच्च स्थान पर है, जो 2021 की तुलना में 11 अधिक है।

- **भारत के मुकेश अंबानी,** RIL अध्यक्ष, वैश्विक सूची में 90.7 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ 10वें स्थान पर हैं।

स्रोत: forbes.com

भारत ने क्लीन एनर्जी मिनिस्टेरियल वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक की मेजबानी की

चर्चा में क्यों?

- भारत 6 अप्रैल, 2022 से **क्लीन एनर्जी मिनिस्टेरियल (CEM) वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक** की मेजबानी कर रहा है। इसका समापन 8 अप्रैल को होगा।
- बैठक के दौरान सितंबर 2022 में होने वाली आगामी क्लीन एनर्जी मिनिस्टेरियल बैठक के लिए एजेंडा भी तैयार किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- इस बैठक का आयोजन स्वच्छ ऊर्जा नीतियों में विभिन्न कार्य धाराओं के कार्यों की समीक्षा के लिए किया जा रहा है।
- भारत और ब्रिटेन सरकार ने ऊर्जा संक्रमण के भविष्य पर समग्र वार्ता का नेतृत्व किया।
- उसके बाद क्लीन पावर, ग्रीन स्टील और हाइड्रोजन जैसे विषयों पर चर्चा हुई।
- इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी, इंटरनेशनल रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी और UN हाई लेवल एक्शन चैंपियंस ने स्टेट ऑफ सेक्टोरल ट्रांजिशन (SoST) मसौदा रिपोर्ट के निष्कर्षों को प्रस्तुत किया।

क्लीन एनर्जी मिनिस्टेरियल (CEM) के बारे में:

- CEM 29 सदस्य देशों का एक उच्चस्तरीय वैश्विक मंच है। यह वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा भविष्य में संक्रमण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ ज्ञान एवं सर्वोत्तम प्रथाओं की साझेदारी के जरिये स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने वाली नीतियों और कार्यक्रमों को बढ़ावा देता है।

स्रोत: ET

कार्बन बजट की खपत के लिए विकसित देशों की ऐतिहासिक जिम्मेदारी को लेकर जलवायु परिवर्तन के असर पर IPCC की रिपोर्ट वैज्ञानिक रूप से भारत के रुख को स्थापित करती है

चर्चा में क्यों?

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (IPCC) की 4 अप्रैल, 2022 को जारी छठी आकलन रिपोर्ट (AR 6) में नीति निर्माताओं के सारांश (SPM) और वर्किंग ग्रुप III (WG-3) के योगदान का स्वागत करते हुए, कहा कि रिपोर्ट द्वारा कार्बन बजट की खपत करना वैज्ञानिक रूप से विकसित देशों की ऐतिहासिक जिम्मेदारी स्थापित की गई है और उन्होंने वैश्विक उत्सर्जन में गहन और तत्काल कमी की आवश्यकता का आह्वान किया।

प्रमुख बिंदु

- जलवायु परिवर्तन के असर और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से संबंधित रिपोर्ट जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में IPCC का एक प्रमुख योगदान है।
- इसमें यह भी कहा गया है कि सार्वजनिक वित्त 2020 तक कोपेनहेगन (पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने पर दोहराया गया) लक्ष्य प्रति वर्ष 100 बिलियन अमरीकी डालर से कम है।
- रिपोर्ट में गहन और तत्काल वैश्विक उत्सर्जन में कमी की आवश्यकता पर जोर दिया गया है, जिसमें बताया गया है कि 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि के लिए कुल कार्बन बजट का चौथा-पांचवां हिस्सा और 2 डिग्री सेल्सियस वार्मिंग के लिए कुल कार्बन बजट का दो-तिहाई पहले ही खपत किया जा चुका है।
- 2020 से पहले की अवधि के दौरान कुल मिलाकर और प्रति व्यक्ति वार्षिक उत्सर्जन दोनों में वृद्धि हुई। विकासशील देशों की सतत विकास की जरूरतों की तुलना में 2020 से पहले के उत्सर्जन में कमी विकसित देशों में अपर्याप्त रही है। ऐतिहासिक कुल उत्सर्जन और प्रति व्यक्ति वार्षिक उत्सर्जन दोनों दर्शाते हैं कि भारत की भूमिका (दक्षिण एशिया के हिस्से के रूप में) न्यूनतम है।

भारत में:

- इसके अलावा, नवंबर 2021 में ग्लासगो, यूनाइटेड किंगडम में COP26 में, पेरिस समझौते के कार्यान्वयन के रूप में, भारत ने 2070 तक शून्य के लक्ष्य सहित जलवायु से संबंधित कार्रवाई के प्रति अपना संकल्प दोहराया।

इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज के बारे में:

- यह जलवायु परिवर्तन से संबंधित विज्ञान का आकलन करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था है।
- इसकी स्थापना 1988 में विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा जलवायु परिवर्तन के वैज्ञानिक आधार, इसके प्रभावों और भविष्य के जोखिमों और अनुकूलन और शमन के विकल्पों के नियमित आकलन के साथ नीति निर्माताओं को प्रदान करने के लिए की गई थी।

स्रोत: PIB

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महिला को 500,000 डालर का योगदान दिया

चर्चा में क्यों?

- **भारत** ने **संयुक्त राष्ट्र महिला**, लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के लिए 500,000 अमरीकी डालर का योगदान दिया है।

प्रमुख बिंदु

- यह राशि संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी.एस. तिरुमूर्ति द्वारा संयुक्त राष्ट्र की महिला कार्यकारी निदेशक डॉ. सीमा बहौस को सौंपी गई।

संयुक्त राष्ट्र महिला के बारे में:

- संयुक्त राष्ट्र महिला एक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है जो लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।
- महिलाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र विकास कोष (UNIFEM, 1976 में स्थापित) और अन्य संगठनों का विलय संयुक्त राष्ट्र महिला बनाने के लिए हुआ, जिसने जनवरी 2011 में परिचालन शुरू किया।

स्रोत: ndtv

National

2022 में भारत की तरफ से UNESCO फंड फॉर एलिमिनेशन ऑफ डोपिंग इन स्पोर्ट के लिए 72,124 डॉलर का अंशदान

चर्चा में क्यों?

- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने 2022 में भारत की तरफ से **UNESCO फंड फॉर एलिमिनेशन ऑफ डोपिंग इन स्पोर्ट** के लिए 72,124 डॉलर का अंशदान जारी किया।

प्रमुख बिंदु

- पेरिस में 29-31 सितंबर, 2019 को लिए 7 COP के संकल्प के तहत, सभी पक्ष UNESCO के फंड फॉर द एलिमिनेशन ऑफ डोपिंग इन स्पोर्ट में अपने देशों के नियमित बजट का 1 प्रतिशत अंशदान के लिए सहमत हो गए थे।
- भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने पहली बार 2021 में UNESCO से मिले अनुरोध के आधार पर UNESCO फंड में 28,172 डॉलर का योगदान किया था।

पृष्ठभूमि:

- मार्च, 2003 में खेल में एंटी-डोपिंग पर कोपेनहेगन घोषणा पर भारत सरकार द्वारा सहमति दी गई थी, जो एक राजनीतिक दस्तावेज था। इसके माध्यम से सरकारों ने **वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी (WADA)** द्वारा लाए गए विश्व एंटी डोपिंग नियमों को औपचारिक रूप से मान्यता देने और लागू करने अपने इरादे के संकेत दिए थे।
- यह खेलों में डोपिंग के खिलाफ UNESCO इंटरनेशनल कन्वेंशन की तैयारी की दिशा में पहला कदम था।
- भारत खेलों में डोपिंग के खिलाफ इंटरनेशनल कन्वेंशन का एक हस्ताक्षरकर्ता है। इसे "UNESCO एंटी-डोपिंग कन्वेंशन" के रूप में भी जाना जाता है, जिसे भारत ने 7 नवंबर, 2007 को मंजूरी दी थी।
- युवा कार्यक्रम मंत्रालय के तहत आने वाली एक स्वायत्त संस्था **राष्ट्रीय एंटी डोपिंग एजेंसी** भारत में एंटी-डोपिंग कार्यक्रमों को अपनाने, कार्यान्वयन और लागू करने के लिए जिम्मेदार है।

स्रोत: PIB

प्राकृतिक खेती पर वृहद प्रशिक्षण कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

- **राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज),** हैदराबाद द्वारा आयोजित, **प्राकृतिक खेती पर वृहद प्रशिक्षण कार्यक्रम** का शुभारंभ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किया।

प्रमुख बिंदु

मैनेज (MANAGE) के बारे में:

- मैनेज की स्थापना 1987 में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक स्वायत्त संस्थान के रूप में हैदराबाद में राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन केंद्र के रूप में की गई थी।
- MANAGE तेजी से बढ़ते और विविध कृषि क्षेत्र में कृषि विस्तार की चुनौतियों के लिए भारतीय प्रतिक्रिया है।

प्राकृतिक खेती:

- इसे "रासायनिक मुक्त खेती और पशुधन आधारित" के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
- प्राकृतिक खेती बाहरी आदानों पर किसानों की निर्भरता को कम करने, खेती की लागत घटाने तथा किसानों की आय बढ़ाने का आशाजनक साधन है।
- सरकार पारंपरिक स्वदेशी प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY) की उपयोजना के रूप में भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (BPKP) को बढ़ावा दे रही है।
- आगामी दिनों में प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर देशभर में 30 हजार ग्राम प्रधानों के लिए 750 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के साथ ही अपने-अपने राज्यों में प्राकृतिक खेती की पहल को आगे बढ़ाने में सहयोग करेंगे।
- 4.09 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को प्राकृतिक खेती के तहत कवर किया गया है।
- प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2022-23 के बजट में भी घोषणा की गई है।

कृषि से संबंधित अन्य पहलें:

- सतत कृषि पर राष्ट्रीय मिशन
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
- बारानी क्षेत्र विकास
- कृषि वानिकी पर उप-मिशन

- पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट

स्रोत: PIB

वन हेल्थ (एक स्वास्थ्य) पायलट प्रोजेक्ट

चर्चा में क्यों?

- पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) भारत सरकार ने वन हेल्थ सपोर्ट यूनिट द्वारा **वन हेल्थ** योजना की रूपरेखा को लागू करने के लिए उत्तराखंड राज्य में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है।

प्रमुख बिंदु

वन हेल्थ अवधारणा:

- वन हेल्थ एक ऐसा दृष्टिकोण है जो यह मानता है कि मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और हमारे चारों ओर के पर्यावरण के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है।
- वन हेल्थ का सिद्धांत संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO), विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (OIE) के त्रिपक्षीय-प्लस गठबंधन के बीच हुए समझौते के अंतर्गत एक ब्लूप्रिंट है।
- यूनिट का मुख्य उद्देश्य पायलट परियोजना के कार्यान्वयन से मिली जानकारियों के आधार पर एक राष्ट्रीय स्तर का वन हेल्थ रोडमैप विकसित करना है।
- वन हेल्थ सहायता इकाई के कार्यान्वयन का नेतृत्व करने के लिए भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार की अध्यक्षता में अंतर-मंत्रालयी वन हेल्थ समिति की स्थापना की गई है।
- वन हेल्थ रूपरेखा विकसित करके, भारत रोगों की कुशलता पूर्वक जानकारी देने और प्रतिक्रिया में समन्वय, संसाधनों का कारगर उपयोग, आपातकालीन तैयारी, आर्थिक और पशुजन्य महत्व के रोगों को संभालने की क्षमता का निर्माण करने और पशु जन्य और आर्थिक असर डालने वाली की पशुओं की बीमारी के बारे में जन जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता को सफलतापूर्वक पूरा करेगा।
- दीर्घकालिक उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, भारत ने 1980 के दशक में जूनोज़िस पर एक राष्ट्रीय स्थायी समिति की स्थापना की।

स्रोत: PIB

सबसे कम बेरोजगारी दर के साथ छत्तीसगढ़ देश में पहले स्थान पर

चर्चा में क्यों?

- देश में सबसे कम बेरोजगारी दर वाले राज्यों में छत्तीसगढ़ पहले स्थान पर है।
- **सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (CMIE) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों** के अनुसार, छत्तीसगढ़ ने इस मार्च में 0.6 प्रतिशत की बेरोजगारी दर दर्ज की है, जो अब तक का सबसे कम है।

प्रमुख बिंदु

- आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा में सबसे अधिक बेरोजगारी दर 26.7 प्रतिशत है, इसके बाद राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में 25-25 प्रतिशत और झारखंड में 14.5 प्रतिशत है।
- सबसे कम बेरोजगारी दर के साथ छत्तीसगढ़ देश में पहले स्थान पर है जबकि इसी महीने (मार्च) में देश की बेरोजगारी दर 7.6 प्रतिशत रही।
- छत्तीसगढ़ सरकार ने तीन साल पहले महात्मा गांधी के 'ग्राम स्वराज' के दृष्टिकोण के अनुरूप राज्य के समावेशी विकास की परिकल्पना के अनुरूप विकास का एक नया मॉडल अपनाया और सुरजी गांव योजना, नरवा-गरवा-घुरवा-बारी कार्यक्रम, गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना आदि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू कीं।
- राज्य सरकार ने अगले पांच वर्षों में लगभग 15 लाख नए रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से 'छत्तीसगढ़ रोजगार मिशन' की स्थापना की है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

कोरोना वायरस का 'XE' संस्करण

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) ने घोषणा की कि दक्षिण अफ्रीका की यात्रा के इतिहास वाली 50 वर्षीय महिला **कोरोनावायरस के नए खोजे गए 'XE' संस्करण** से संक्रमित हो सकती है।

प्रमुख बिंदु

- XE, ओमिक्रॉन का एक उप-संस्करण, जिसने इस सर्दी में COVID -19 की तीसरी लहर पैदा की, भारत में अब तक नहीं पाया गया था।

कोरोनावायरस का XE संस्करण:

- ओमिक्रॉन संस्करण, जो इस वर्ष पाए गए 90 प्रतिशत से अधिक संक्रमणों के लिए जिम्मेदार है, के दो प्रमुख उप-प्रकार हैं, जिन्हें BA.1 और BA.2 कहा जाता है। एक BA.3 उप-संस्करण भी है, लेकिन यह कम आम है।
- प्रारंभिक चरण के दौरान, BA.1 उप-संस्करण सबसे व्यापक था। भारत में, हालांकि, यह BA.2 था जो तीसरी लहर के दौरान सबसे प्रभावशाली था।
- BA.2 को BA.1 की तुलना में थोड़ा अधिक पारगम्य पाया गया, हालांकि यह अधिक खतरनाक नहीं था।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में, BA.2 किस्म दुनिया भर में सबसे व्यापक हो गई है, जो पिछले एक महीने में सभी ओमिक्रॉन संक्रमणों का लगभग 94 प्रतिशत है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

गैर-अधिसूचित, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजातियां

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, संसद की एक स्थायी समिति ने गैर-अधिसूचित, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजातियों के विकास कार्यक्रम के कामकाज की आलोचना की है।
- भाजपा की लोकसभा सांसद रमा देवी की अध्यक्षता वाली सामाजिक न्याय और अधिकारिता संबंधी स्थायी समिति ने अपनी 31वीं रिपोर्ट संसद में पेश की।
- रिपोर्ट में कहा गया है, "समिति इस बात पर ध्यान देने के लिए विवश है कि DNT समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण की योजना कोचिंग, स्वास्थ्य बीमा, आजीविका की सुविधा और DNT के सदस्यों के लिए घरों के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार की गई है, जिसमें 2021-22 से 2025-26 तक पांच साल की अवधि के लिए कुल 200 करोड़ रुपये का परिव्यय है और विभाग 2021-22 में एक रुपया भी खर्च नहीं कर सका।

प्रमुख बिंदु

गैर-अधिसूचित, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजाति:

- ये ऐसे समुदाय हैं जो सबसे कमजोर और वंचित हैं।

- गैर-अधिसूचित जनजाति (DNT) ऐसे समुदाय हैं जिन्हें ब्रिटिश शासन के दौरान आपराधिक जनजाति अधिनियम 1871 से शुरू होने वाले कानूनों की एक श्रृंखला के तहत 'जन्मजात अपराधी' के रूप में 'अधिसूचित' किया गया था।
- खानाबदोश और अर्ध-घुमंतू समुदायों को उन लोगों के रूप में परिभाषित किया जाता है जो हर समय एक ही स्थान पर रहने के बजाय एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं।

गैर-अधिसूचित, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजातियों के लिए आयोग (NCDNT):

- तत्कालीन सरकार द्वारा 2006 में गैर-अधिसूचित, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजातियों (NCDNT) के लिए एक राष्ट्रीय आयोग का गठन किया गया था।
- इसकी अध्यक्षता बालकृष्ण सिदराम रेनके ने की और जून 2008 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें कहा, "यह विडंबना है कि ये जनजातियाँ किसी तरह हमारे संविधान निर्माताओं के ध्यान से बच गईं और इस तरह अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के विपरीत संवैधानिक समर्थन से वंचित हो गईं।"
- रेनके आयोग ने 2001 की जनगणना के आधार पर उनकी आबादी लगभग 10.74 करोड़ होने का अनुमान लगाया था।
- राज्यवार सूची तैयार करने के लिए फरवरी 2014 में गठित एक नया आयोग, जिसने 8 जनवरी, 2018 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, ने 1,262 समुदायों को गैर-अधिसूचित, खानाबदोश और अर्ध-घुमंतू के रूप में पहचाना।
- जबकि इनमें से कई जनजातियों को SC, ST और OBC के तहत वर्गीकृत किया गया है, कई नहीं हैं।
- संसद में स्थायी समिति की रिपोर्ट में सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के सचिव के एक बयान का हवाला दिया गया है कि 269 DNT समुदाय किसी भी आरक्षित श्रेणी के अंतर्गत नहीं आते हैं।

गैर-अधिसूचित, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों के लिए विकास और कल्याण बोर्ड (DWBDNC) के बारे में:

- सरकार ने कल्याण कार्यक्रमों को लागू करने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तत्वावधान में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत गैर-अधिसूचित, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों (DWBDNC) के लिए विकास और कल्याण बोर्ड की स्थापना की।
- DWBDNC का गठन 21 फरवरी, 2019 को भीकू रामजी इदते की अध्यक्षता में किया गया था।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

सरकार ने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों लगाने के लिए पांच नई साइटों के लिए 'सैद्धांतिक' अनुमोदन प्रदान किया

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान और प्रौद्योगिकी; परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष, डॉ जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में कहा कि सरकार ने भविष्य में परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए पांच नई साइटों के लिए 'सैद्धांतिक' मंजूरी दे दी है।

प्रमुख बिंदु

- सरकार ने फ्लीट मोड में स्थापित किए जाने वाले 10 स्वदेशी 700 मेगावाट दबाव वाले भारी पानी रिएक्टर PHWR) के निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति और वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।
- निर्माणाधीन और स्वीकृत परियोजनाओं के उत्तरोत्तर पूर्ण होने पर, **2031 तक परमाणु क्षमता 22480 मेगावाट** तक पहुंचने की उम्मीद है।
- वर्तमान में 6780 मेगावाट की कुल क्षमता वाले 22 रिएक्टर प्रचालन में हैं और एक रिएक्टर, KAPP-3 (700 मेगावाट) को 10 जनवरी, 2021 को ग्रिड से जोड़ा गया है।

नोट:

- घरेलू संरक्षित परमाणु रिएक्टरों के लिए यूरेनियम की आवश्यकता को स्वदेशी रूप से खनन और उत्पादित यूरेनियम द्वारा पूरा किया जाता है।
- इसके अलावा, परमाणु ईंधन की आपूर्ति के लिए अंतर सरकारी समझौते वाले देशों से प्राकृतिक यूरेनियम अयस्क सांद्रता (UOC) की खरीद की जा रही है।
- रूस, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, कनाडा से परमाणु ईंधन हासिल करने के प्रयास किए गए हैं।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

डिजिटल डैशबोर्ड फॉर डिस्ट्रिक्ट गंगा कमेटी परफॉर्मेंस मॉनिटरिंग सिस्टम

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, गजेंद्र सिंह शेखावत ने **'डिजिटल डैशबोर्ड फॉर डिस्ट्रिक्ट गंगा कमेटी (DGCs) परफॉर्मेंस मॉनिटरिंग सिस्टम' (GDPMS)** लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु

- DGC डिजिटल डैशबोर्ड लोगों-नदी को जोड़ने में एक लंबा सफर तय करेगा और **नमामि गंगे कार्यक्रम** की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जिला गंगा समितियों के बारे में:

- गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों में प्रबंधन और प्रदूषण उपशमन में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर एक तंत्र स्थापित करने के लिए गंगा नदी बेसिन पर जिलों में जिला गंगा समितियों का गठन किया गया था।
- DGC को नमामि गंगे के तहत बनाई गई संपत्ति का उचित उपयोग सुनिश्चित करने, गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों में गिरने वाले नालों / सीवेज की निगरानी, गंगा कायाकल्प के साथ लोगों के मजबूत संबंध बनाने के लिए अनिवार्य है।

स्रोत: PIB

स्टैंड अप इंडिया योजना ने 6 साल पूरे किये

चर्चा में क्यों?

- स्टैंड अप इंडिया योजना की छठी वर्षगांठ 5 अप्रैल 2022 को मनाई गई।
- स्टैंड अप इंडिया योजना के तहत योजना की शुरुआत से अब तक 1 लाख 33 हजार 995 से अधिक खातों में 30 हजार 160 करोड़ रुपये से अधिक स्वीकृत किए जा चुके हैं।

प्रमुख बिंदु

स्टैंड अप इंडिया योजना के बारे में:

- स्टैंड अप इंडिया योजना 5 अप्रैल 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई थी।
- यह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला उधारकर्ताओं को विनिर्माण, सेवाओं या व्यापार क्षेत्र में एक ग्रीनफील्ड उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण की सुविधा प्रदान करती है।

स्टैंड-अप इंडिया का उद्देश्य:

- महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देना
- विनिर्माण, सेवाओं या व्यापारिक क्षेत्र और कृषि से संबंधित गतिविधियों में ग्रीनफील्ड उद्यमों के लिए ऋण प्रदान करना
- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की प्रत्येक बैंक शाखा में कम से कम एक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से सम्बंधित उधार लेनेवाले और उधार की इच्छुक कम से कम एक महिला को 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये के बीच बैंक ऋण की सुविधा उपलब्ध कराना

नोट: 2019-20 में, स्टैंड अप इंडिया योजना को 15वें वित्त आयोग की पूरी अवधि यानि 2020-25 तक के लिए विस्तार दिया गया था।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

मिशन इंटीग्रेटेड बायो-रिफाइनरियां

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेंद्र सिंह ने सार्वजनिक-निजी समझौता के जरिये **'मिशन इंटीग्रेटेड बायो-रिफाइनरियों'** को पूरी तरह से चालू करने के साथ 'स्वच्छ ऊर्जा' के लिए PPP (सार्वजनिक निजी भागीदारी) मोड में भविष्य को लेकर एक प्रमुख पहल की शुरुआत की।

प्रमुख बिंदु

- डॉ जितेंद्र सिंह ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) द्वारा 60 लाख अमेरिकी डॉलर की कुल लागत के साथ भंडारण पर एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा सामग्री त्वरण मंच, सामग्री पर एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा सामग्री गतिवर्द्धन मंच और जैव ऊर्जा और हाइड्रोन पर एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा सामग्री गतिवर्द्धन मंच पर स्थापित तीन **सामग्री गतिवर्द्धन मंच (MAP)** का भी शुभारंभ किया।

- उन्होंने कहा कि ये प्लेटफॉर्म यानी मंच अगली पीढ़ी की कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग, और रोबोटिक्स में उभरती क्षमताओं का लाभ उठाएंगे ताकि सामग्री की खोज की गति को 10 गुना तेज किया जा सके।
- उन्होंने विमानन अनुप्रयोगों के लिए उन्नत जैव ईंधन में तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए आरडी एंड डी (अनुसंधान, विकास और प्रदर्शन) का समर्थन और संचालन करने के लिए **'सतत विमानन ईंधन पर राष्ट्रीय वित्त पोषण अवसर'** की भी घोषणा की।
- उन्होंने **हाइड्रोजन वैली प्लेटफॉर्म** के वित्त पोषण के अवसर की घोषणा की, जो ऑनसाइट उत्पादन और उपयोग द्वारा हाइड्रोजन की मांग और आपूर्ति को अधिकतम करने, नवीकरणीय संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने और भौगोलिक पहचान के साथ पानी के अतिरिक्त क्षेत्रों के लिए एक वैश्विक पहल है।
- DST 2030 तक भारत में तीन स्वच्छ हाइड्रोजन वैली की डिलीवरी की सुविधा के लिए प्रतिबद्ध है।

मिशन इंटीग्रेटेड बायो-रिफाइनरियां:

- मिशन का नेतृत्व भारत और नीदरलैंड कर रहे हैं। इसके अलावा ब्राजील और कनाडा मुख्य सदस्यों के रूप में शामिल हैं, और यूरोपीय आयोग और यूनाइटेड किंगडम सहायक सदस्यों के रूप में शामिल हैं।
- यह मिशन इनोवेशन द्वारा शुरू किया गया छठा मिशन है, और स्वच्छ हाइड्रोजन, हरित ऊर्जा प्रणाली, शुद्ध शून्य शिपिंग, कार्बन डाइऑक्साइड हटाने और शहरी ट्रांजीशन पर केंद्रित पहल में शामिल है।

मिशन इनोवेशन:

- मिशन इनोवेशन इस पूरे दशक में स्वच्छ ऊर्जा को वहनीय, आकर्षक और सुलभ बनाने के लिए अनुसंधान, विकास और प्रदर्शन में कार्रवाई और निवेश को उत्प्रेरित करने के लिए एक वैश्विक पहल है।
- 2015 में पेरिस समझौते के साथ शुरू किया गया था

स्रोत: PIB

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने प्रभावी प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए जागरूकता शुभंकर 'प्रकृति' और हरित पहल को लॉन्च किया

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने देश में प्रभावी प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (PWM) सुनिश्चित करने के लिए छोटे बदलावों के बारे में

जनता के बीच अधिक जागरूकता पैदा करने, जिसे बेहतर पर्यावरण के लिए हमारी जीवन-शैली में स्थायी रूप से अपनाया जा सकता है, एक शुभंकर 'प्रकृति' के साथ-साथ पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) द्वारा की गई विभिन्न हरित पहलों का शुभारंभ किया।

- इस आयोजन में इंडिया प्लास्टिक चैलेंज-हैकाथॉन 2021 के विजेताओं का भी अभिनंदन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- प्लास्टिक प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2022 तक सिंगल यूज प्लास्टिक (SUP) को समाप्त करने की भारत के संकल्प की घोषणा की।
- भारत सालाना लगभग 3.5 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा पैदा कर रहा है और प्रति व्यक्ति प्लास्टिक कचरा उत्पादन पिछले पांच वर्षों में लगभग दोगुना हो गया है।
- इसके अलावा, उन्होंने IPCC छठी आकलन रिपोर्ट (AR 6) में हाल ही में जारी IPCC वर्किंग ग्रुप III के योगदान के बारे में बताया, जो दुनिया को प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के लक्ष्यों के साथ जोड़ने के लिए शमन संबंधी उपायों पर केंद्रित है और पेरिस समझौते द्वारा निर्धारित मार्ग-निर्देश पर बने रहने के लिए हम क्या कर सकते हैं।

स्रोत: PIB

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के साथ वार्ता की

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने 2 अप्रैल 2022 को नई दिल्ली में हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की।
- एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रधानमंत्री देउबा 1 अप्रैल 2022 को तीन दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे थे।

प्रमुख बिंदु

- पिछले साल जुलाई में पांचवीं बार पद संभालने के बाद से प्रधानमंत्री देउबा की यह पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा है।
- नेपाल इस क्षेत्र में अपने समग्र सामरिक हितों के संदर्भ में भारत के लिए महत्वपूर्ण है, और दोनों देशों के नेताओं ने अक्सर सदियों पुराने "रोटी बेटी" संबंधों पर ध्यान दिया।

- नेपाल पांच भारतीय राज्यों - सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1,850 किमी से अधिक की सीमा साझा करता है।

नोट: नेपाल से अंतिम राष्ट्राध्यक्ष/सरकार-स्तरीय यात्रा मई 2019 में हुई थी, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी ओली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के लिए भारत का दौरा किया था। इससे पहले पीएम मोदी ने अगस्त 2018 में काठमांडू में चौथे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के लिए नेपाल का दौरा किया था।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

केंद्र सरकार ने जीनोम एडिटेड फसलों को कड़े GM नियमों से छूट दी

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने पहली बार कुछ प्रकार की जीनोम एडिटेड फसलों को **आनुवंशिक रूप से संशोधित या GM फसलों** पर लागू कड़े नियमों से छूट देने का आदेश जारी किया है, जिससे उनके आगे के अनुसंधान और विकास को एक बड़ा बढ़ावा मिला है।

प्रमुख बिंदु

- पर्यावरण और वन मंत्रालय ने हाल ही में जारी एक आदेश में, खतरनाक सूक्ष्मजीवों या आनुवंशिक रूप से इंजीनियर जीवों के निर्माण या सेल नियम-1989 उपयोग या आयात या निर्यात और भंडारण के लिए SDN 1 और SDN 2 जीनोम एडिटेड पौधों को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (EPA) के नियम 7-11 से छूट दी है।

- जीनोम एडिटिंग या जीन एडिटिंग की खोज 2012 में की गई थी, लेकिन भारतीय नियामकों ने जैविक और अजैविक तनावों के लिए प्रतिरोधी और पोषण संबंधी श्रेष्ठता के साथ फसलों को विकसित करने की इसकी क्षमता को समझने में लगभग एक दशक का समय लिया।

जीनोम एडिटिंग:

- एक दशक पहले, जर्मनी और अमेरिका के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी तकनीक की खोज की, जिससे वे DNA स्ट्रैंड को 'कट' कर सकते हैं और जीन को एडिट कर सकते हैं। कृषि वैज्ञानिकों के लिए इस प्रक्रिया ने उन्हें साइट डायरेक्टेड न्यूक्लीज (SDN) या सीक्वेंस स्पेसिफिक न्यूक्लीज (SSN) का उपयोग करके जीनोम में वांछित परिवर्तन लाने की अनुमति दी।

नोट: विश्व स्तर पर, यूरोपीय संघ के देशों ने GM फसलों के साथ जीनोम एडिटेड फसलों को वर्गीकृत किया है। अर्जेंटीना, इज़राइल, अमेरिका, कनाडा आदि देशों में जीनोम एडिटेड फसलों के लिए उदार नियम हैं।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

प्रसारकों के लिए प्रसारण सेवा पोर्टल का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने नई दिल्ली में **प्रसारण सेवा पोर्टल** का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

प्रसारण सेवा पोर्टल के बारे में:

- प्रसारण सेवा पोर्टल विभिन्न प्रकार के लाइसेंसों, अनुमतियों, पंजीकरणों आदि के लिए प्रसारकों के आवेदनों की त्वरित फाइलिंग और प्रसंस्करण के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल समाधान है।
- यह आवेदनों पर अंतिम निर्णय लेने में लगनेवाले समय को कम करेगा और आवेदकों को आवेदन की प्रगति की जानकारी प्राप्त करने में भी सहायता प्रदान करेगा।
- यह आवेदकों की उपस्थिति की आवश्यकता को कम करेगा, जो पहले आवश्यक था और इस प्रकार मंत्रालय की क्षमता निर्माण में वृद्धि करेगा। यह व्यवसाय में आसानी की दिशा में भी एक बड़ा कदम सिद्ध होगा।
- यह पोर्टल 900 से अधिक सैटेलाइट टीवी चैनलों, 70 टेलीपोर्ट संचालकों, 1700 मल्टी-सर्विस संचालकों, 350 सामुदायिक रेडियो स्टेशनों (CRS), 380 निजी FM चैनलों और अन्य को सीधे लाभ पहुंचाकर कारोबारी माहौल को बढ़ावा देगा और पूरे प्रसारण क्षेत्र को सशक्त बनाएगा।
- पोर्टल से इकोसिस्टम में पारदर्शिता, जवाबदेही और तत्परता आयेगी तथा सभी प्रकार की जानकारी एक ही डैशबोर्ड पर उपलब्ध होगी।

स्रोत: HT

रेलवे सुरक्षा बल: ऑपरेशन उपलब्ध

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, **RPF (रेलवे सुरक्षा बल)** ने **ऑपरेशन उपलब्ध** के तहत रेलवे टिकट दलालों के खिलाफ एक अखिल भारतीय अभियान चलाया।

प्रमुख बिंदु

ऑपरेशन उपलब्ध के बारे में:
- ऑपरेशन उपलब्ध के तहत महीने भर का देशव्यापी अभियान ने दलालों की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लगाने और आम आदमी को रेलवे टिकट उपलब्ध कराने में समर्थ बनाया है।
- भारतीय रेलवे आम जनता को अनाधिकृत व्यक्तियों से टिकट न खरीदने की सलाह देता है क्योंकि यह न केवल एक बार पता चलने के बाद रद्द हो सकता है, बल्कि टिकट लेने वाले को कानूनी परेशानी में भी डाल सकता है।

रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के बारे में:
- RPF, रेलवे सुरक्षा बल अधिनियम, 1957 द्वारा स्थापित भारतीय रेल, रेल मंत्रालय, भारत सरकार के स्वामित्व में एक सुरक्षा बल है।
- इसमें रेलवे संपत्ति (गैरकानूनी कब्जा) अधिनियम 1966 के तहत किए गए अपराधों की तलाशी, गिरफ्तारी, जांच और मुकदमा चलाने की शक्ति है।

नोट: फरवरी 2022 में, RPF ने **ऑपरेशन AAHT (आहट)** नाम से मानव तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया था।

स्रोत: PIB

राष्ट्रपति कोविंद ने तुर्कमेनिस्तान के अपने समकक्ष सर्दार बर्दीमुहामेदोव के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

चर्चा में क्यों?

- **राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद** और उनके तुर्कमेनिस्तान के समकक्ष गुरबांगुली बर्दीमुहामेदो ने ओगुझार महल अशगबत में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की और विभिन्न क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

- यह भारत के राष्ट्रपति की स्वतंत्र तुर्कमेनिस्तान की पहली यात्रा है और यह तुर्कमेनिस्तान के नए राष्ट्रपति बर्दीमुहामेदोव के उद्घाटन के ठीक बाद आता है।
- भारत और तुर्कमेनिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 30 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक डाक टिकट भी जारी किया गया।

प्रमुख बिंदु

- भारत और तुर्कमेनिस्तान ने वित्तीय खुफिया और आपदा प्रबंधन सहित चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए।
- दोनों नेताओं ने अंतर्राष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारे (INSTC) और अंतर्राष्ट्रीय परिवहन और पारगमन गलियारे पर अश्गाबात समझौते के महत्व पर प्रकाश डाला।
- राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि ईरान में भारत द्वारा निर्मित चाबहार बंदरगाह का उपयोग भारत और मध्य एशिया के बीच व्यापार में सुधार के लिए किया जा सकता है।
- तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-भारत (TAPI) पाइपलाइन पर, राष्ट्रपति कोविंद ने सुझाव दिया कि तकनीकी और विशेषज्ञ स्तर की बैठकों में पाइपलाइन की सुरक्षा और प्रमुख व्यावसायिक सिद्धांतों से संबंधित मुद्दों को संबोधित किया जा सकता है।

नोट:

- तुर्कमेनिस्तान भारत-मध्य एशिया शिखर सम्मेलन ढांचे में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है, जिसकी पहली मेजबानी भारत ने इस साल जनवरी में की थी।
- राष्ट्रपति कोविंद की तुर्कमेनिस्तान यात्रा के बाद 4-7 अप्रैल को राजा विलेम-अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा के निमंत्रण पर नीदरलैंड की राजकीय यात्रा होगी।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए

चर्चा में क्यों?

- केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल एवं ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन एवं निवेश मंत्री डैन तेहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन की उपस्थिति में एक वर्चुअल समारोह में **भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते (IndAus ECTA)** पर हस्ताक्षर किये।

प्रमुख बिंदु

भारत-ऑस्ट्रेलिया ECTA की मुख्य विशेषताएं:

- भारत-ऑस्ट्रेलिया ECTA एक दशक के बाद किसी विकसित देश के साथ भारत का पहला व्यापार समझौता है।
- इस समझौते में दोनों मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों की एक व्यापक श्रृंखला सन्निहित है तथा यह वस्तुओं में व्यापार, उत्पत्ति के नियम, व्यापार की तकनीकी बाधाएं (TBT), स्वच्छता एवं पादप स्वच्छता (SPS) उपाय, विवाद निपटान, तटस्थ व्यक्तियों की आवाजाही, दूरसंचार, सीमा शुल्क प्रक्रियाएं, फार्मास्यूटिकल उत्पाद एवं अन्य क्षेत्रों में सहयोग, जैसे क्षेत्रों को कवर करता है।

नोट:

- ऑस्ट्रेलिया भारत का 17वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है तथा भारत ऑस्ट्रेलिया का नौवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।
- वस्तु एवं सेवाओं दोनों के लिए भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 2021 में 27.5 बिलियन डॉलर आंका गया है।
- 2019 तथा 2021 के बीच ऑस्ट्रेलिया को भारत का वस्तु निर्यात 135 प्रतिशत बढ़ा।
- ऑस्ट्रेलिया से भारत का वस्तु आयात 15.1 बिलियन डॉलर का था जिसमें मुख्य रूप से कच्चे माल, खनिज अवयव तथा इंटरमीडिएट वस्तुएं थीं।
- भारत और ऑस्ट्रेलिया जापान के साथ-साथ त्रिपक्षीय **आपूर्ति श्रृंखला अनुकूल पहल (SCRI)** व्यवस्था में साझेदार हैं जिसमें भारत प्रशांत क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखलाओं की अनुकूलता को बढ़ाने की इच्छा जताई गई है।
- इसके अतिरिक्त, भारत और ऑस्ट्रेलिया हाल ही में निर्मित **क्वाड** के भी सदस्य हैं, जिसमें अमेरिका और जापान भी शामिल हैं तथा इसका उद्देश्य समान चिंताओं के कई मुद्दों पर सहयोग बढ़ाना और साझेदारी विकसित करना है।

स्रोत: PIB

प्रधानमंत्री मोदी ने 5वीं परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में छात्रों के साथ बातचीत की

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5वीं परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में 01 अप्रैल 2022 को आगामी परीक्षाओं के विषय पर छात्रों के साथ बातचीत की।

प्रमुख बिंदु

- कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में किया गया, जहां कक्षा 9वीं से 12वीं तक के स्कूली छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने प्रधानमंत्री के साथ बातचीत की।
- कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा किया गया था।

नोट: परीक्षा पे चर्चा का पहला संस्करण 16 फरवरी, 2018 को आयोजित किया गया था।

स्रोत: HT

CJI एनवी रमना ने अदालती आदेशों को तेजी से प्रसारित करने के लिए FASTER सॉफ़्टवेयर लॉन्च किया

चर्चा में क्यों?

- भारत के मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना ने एक सुरक्षित इलेक्ट्रॉनिक संचार चैनल के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को सर्वोच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश, स्थगन आदेश, जमानत आदेश आदि को संप्रेषित करने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म **FASTER (फास्ट एंड सिक्योर्ड ट्रांसमिशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड्स)** लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु

- FASTER प्रणाली को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के सहयोग से रजिस्ट्री द्वारा विकसित किया गया है।
- इस प्रणाली के माध्यम से भारत के सभी जिलों तक पहुंचने के लिए अब तक विभिन्न स्तरों पर 73 नोडल अधिकारियों को नामित किया गया है।
- सभी नोडल अधिकारियों को एक सुरक्षित मार्ग बनाकर एक विशिष्ट न्यायिक संचार नेटवर्क (JCN) के माध्यम से जोड़ा गया है।
  नोट: सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक प्रणाली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित पोर्टल 'SUPACE' जैसी तकनीक से जुड़े अन्य कार्यक्रम भी शुरू किए हैं, जिसका उद्देश्य न्यायाधीशों को कानूनी अनुसंधान में सहायता करना है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

State

नदियों के पानी और SYL नहर को लेकर पंजाब-हरियाणा विवाद

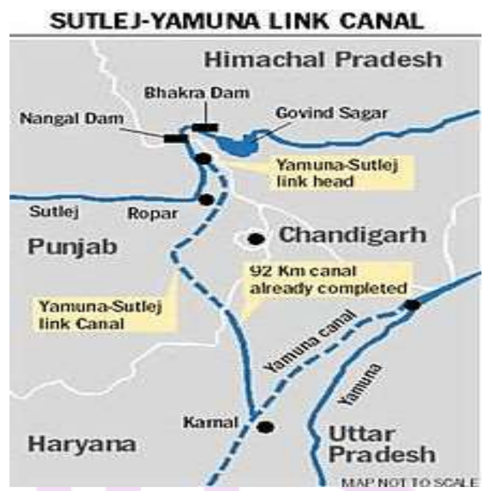

चर्चा में क्यों?

- हरियाणा विधानसभा ने **सतलुज यमुना लिंक (SYL) नहर** को पूरा करने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें हरियाणा और पंजाब के बीच नदी के पानी के बंटवारे के विवादास्पद मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

नदी का पानी:

- एक बार पूरा हो जाने के बाद, नहर दोनों राज्यों के बीच रावी और ब्यास नदियों के पानी को साझा करने में सक्षम होगी। यह मामला 1966 में पंजाब के पुनर्गठन और हरियाणा के गठन के समय का है। पंजाब ने रिपेरियन सिद्धांतों का हवाला देते हुए दो नदियों के पानी को हरियाणा के साथ साझा करने का विरोध किया था।

शेयर:

- हरियाणा के गठन से एक दशक पहले, रावी और ब्यास में बहने वाले पानी का आकलन प्रति वर्ष 15.85 मिलियन एकड़ फीट (MAF) किया गया था। केंद्र सरकार ने 1955 में तीन हितधारकों - राजस्थान, अविभाजित पंजाब और जम्मू और कश्मीर के बीच एक बैठक आयोजित की थी और राजस्थान को प्रति वर्ष 8 MAF, अविभाजित पंजाब को 7.20 MAF और जम्मू-कश्मीर को 0.65 MAF आवंटित किया था।

नहर:

- 8 अप्रैल 1982 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पटियाला जिले के कपूरी गांव में एक शिलान्यास समारोह के साथ SYL नहर के निर्माण का शुभारंभ किया था। 214 किमी के एक हिस्से का निर्माण किया जाना था, जिसमें से 122 किमी पंजाब को पार करना था और 92 किमी हरियाणा में।

पंजाब का तर्क:

- राज्य सरकार के एक अध्ययन के अनुसार, 2029 के बाद पंजाब में कई क्षेत्र सूख सकते हैं। राज्य ने पहले ही सिंचाई के लिए अपने भूजल का अत्यधिक दोहन किया है क्योंकि यह हर साल 70,000 करोड़ रुपये के गेहूं और धान उगाकर केंद्र के अन्न भंडार को भरता है।

हरियाणा का दावा:

- हरियाणा SYL नहर के माध्यम से रावी-ब्यास के पानी पर दावा करता रहा है कि सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराना राज्य के लिए एक कठिन काम है। दक्षिणी हिस्सों में जहां भूमिगत जल 1700 फीट तक कम हो गया था, वहां पीने के पानी की समस्या थी।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

पंजाब विधानसभा ने प्रस्ताव पारित कर चंडीगढ़ को तत्काल राज्य में स्थानांतरित करने की मांग की

चर्चा में क्यों?

- पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश कर चंडीगढ़ को तत्काल पंजाब स्थानांतरित करने की मांग की।
- चंडीगढ़ को लेकर पंजाब और हरियाणा के बीच लंबे समय से चल रहा विवाद तब और बढ़ गया जब केंद्र ने केंद्र शासित प्रदेश में कर्मचारियों के लिए पंजाब सर्विस रूल्स की जगह सेंट्रल सर्विस रूल्स अधिसूचित किए।

प्रमुख बिंदु

- विभाजन के बाद शिमला को भारतीय पंजाब की अस्थायी राजधानी बना दिया गया।
- 21 सितंबर, 1953 को राजधानी को आधिकारिक तौर पर शिमला से चंडीगढ़ स्थानांतरित कर दिया गया।
- 1966 के पंजाब पुनर्गठन अधिनियम ने अविभाजित पंजाब से हरियाणा के नए राज्य को बनाया, केंद्र के सीधे नियंत्रण में चंडीगढ़ का नया केंद्र शासित प्रदेश बनाया, और पंजाब के पहाड़ी क्षेत्रों को हिमाचल प्रदेश में स्थानांतरित कर दिया।

- चंडीगढ़, पंजाब की राजधानी (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1952 में पंजाब की राजधानी के रूप में पहचाना गया, पंजाब और हरियाणा दोनों की सामान्य राजधानी बन गई, और संपत्तियों को राज्यों के बीच 60:40 के अनुपात में विभाजित किया गया।

नोट:

- केंद्र शासित प्रदेशों की अवधारणा संविधान के मूल संस्करण में नहीं थी बल्कि संविधान (सातवां संशोधन) अधिनियम, 1956 द्वारा जोड़ी गई थी।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 3 के अनुसार, भारत में नए राज्य और केंद्र शासित प्रदेश बनाने की संवैधानिक शक्ति पूरी तरह से भारत की संसद के लिए आरक्षित है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Polity

सामूहिक विनाश के हथियार और उनकी आपूर्ति प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियां निषेध) संशोधन विधेयक-2022

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, लोकसभा ने **सामूहिक विनाश के हथियार और उनकी आपूर्ति प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियां निषेध) संशोधन विधेयक-2022** पारित किया।

प्रमुख बिंदु

- विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा पेश किया गया विधेयक सामूहिक विनाश के हथियार और उनकी आपूर्ति प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियां निषेध) अधिनियम, 2005 में संशोधन करता है।
- 2005 का अधिनियम सामूहिक विनाश के हथियारों और उनके वितरण के साधनों से संबंधित गैरकानूनी गतिविधियों (जैसे निर्माण, परिवहन, या हस्तांतरण) को प्रतिबंधित करता है।
- सामूहिक विनाश के हथियार जैविक, रासायनिक या परमाणु हथियार हैं।
- वर्तमान विधेयक व्यक्तियों को सामूहिक विनाश के हथियारों और उनके वितरण प्रणालियों से संबंधित किसी भी निषिद्ध गतिविधि के वित्तपोषण से रोकता है।
- व्यक्तियों को ऐसी गतिविधियों के वित्तपोषण से रोकने के लिए, केंद्र सरकार उनके धन, वित्तीय संपत्ति, या आर्थिक संसाधनों (चाहे स्वामित्व, धारित, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित) को फ्रीज, जब्त या संलग्न कर सकती है।

- यह व्यक्तियों को किसी भी निषिद्ध गतिविधि के संबंध में अन्य व्यक्तियों के लाभ के लिए वित्त या संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराने से भी रोक सकता है।

सामूहिक विनाश के हथियार के प्रसार को नियंत्रित करने के प्रयास अंतरराष्ट्रीय समझौतों में निहित हैं जैसे:

- 1968 की परमाणु अप्रसार संधि
- 1972 का जैविक हथियार सम्मेलन
- 1993 का रासायनिक हथियार सम्मेलन

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Economy

मुक्त व्यापार समझौते (FTA)

चर्चा में क्यों?

- अब तक, भारत ने अपने व्यापारिक भागीदारों के साथ 13 मुक्त व्यापार समझौतों (FTA) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें 3 समझौते शामिल हैं, अर्थात् भारत-मॉरीशस व्यापक आर्थिक सहयोग और भागीदारी समझौता (CECPA), भारत-UAE व्यापक भागीदारी समझौता (CEPA) और भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (IndAus ECTA) पर पिछले पांच वर्षों के दौरान हस्ताक्षर किए गए।
- यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्यमंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल द्वारा हाल ही में लोकसभा में दी गई।

प्रमुख बिंदु

- समय-समय पर डेटा विश्लेषण और हितधारक परामर्श दोनों के संदर्भ में किए गए FTA के आर्थिक प्रभाव मूल्यांकन से पता चला है कि FTA भागीदारों के साथ निर्यात और आयात दोनों में वृद्धि हुई है।

भारत द्वारा हस्ताक्षरित FTA की सूची:

SN	समझौते का नाम
1	भारत-श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौता (FTA)
2	दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (SAFTA) पर समझौता (भारत, पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव और अफगानिस्तान)
3	भारत-नेपाल व्यापार संधि
4	व्यापार, वाणिज्य और पारगमन पर भारत-भूटान समझौता
5	भारत-थाईलैंड FTA - अर्ली हार्वेस्ट स्कीम (EHS)
6	भारत-सिंगापुर व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (CECA)
7	भारत - ASEAN CECA - माल, सेवाओं और निवेश समझौते में व्यापार (ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम)
8	भारत-दक्षिण कोरिया व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (CEPA)
9	भारत-जापान CEPA
10	भारत-मलेशिया CEPA

11	भारत-मॉरीशस व्यापक आर्थिक सहयोग और साझेदारी समझौता (CECPA)
12	भारत-UAE CEPA
13	भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ECTA)

स्रोत: PIB

देश में तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बनाने के लिए HDFC बैंक के साथ HDFC का विलय होगा

चर्चा में क्यों?

- HDFC लिमिटेड का HDFC बैंक के साथ विलय होगा।
- विलय कंपनी को देश में तीसरा सबसे मूल्यवान बनाएगी।

प्रमुख बिंदु

- परिवर्तनकारी विलय के माध्यम से HDFC HDFC बैंक में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगा।
- HDFC लिमिटेड के चेयरमैन दीपक पारेख ने इसे बराबरी का मर्जर बताया है। उन्होंने कहा कि विलय से संयुक्त इकाई की संपत्ति की विविधता में वृद्धि होगी।

HDFC बैंक लिमिटेड के बारे में:

- HDFC बैंक लिमिटेड एक भारतीय बैंकिंग और वित्तीय सेवा कंपनी है जिसका मुख्यालय मुंबई में है।
- अप्रैल 2021 तक यह संपत्ति के हिसाब से भारत का सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का बैंक और बाजार पूंजीकरण के हिसाब से दुनिया का 10वां सबसे बड़ा बैंक है।
- **स्थापना:** अगस्त 1994, भारत

HDFC लिमिटेड के बारे में:

- हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड मुंबई में स्थित एक भारतीय वित्तीय सेवा कंपनी है।
- यह भारत में एक प्रमुख आवास वित्त प्रदाता है।
- **स्थापना:** 1977

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

भारत का व्यापारिक निर्यात 2021-22 में रिकॉर्ड उच्च 418 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पेट्रोलियम उत्पादों, इंजीनियरिंग सामान, रत्न और आभूषण और रसायनों के उच्च शिपमेंट पर 2021-22 के वित्तीय वर्ष में भारत का व्यापारिक निर्यात 418 बिलियन अमरीकी डालर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

प्रमुख बिंदु

- भारत का माल व्यापार (निर्यात और आयात) 2021-22 के दौरान 1 ट्रिलियन अमरीकी डालर को पार कर गया क्योंकि देश का आयात भी 610 बिलियन अमरीकी डालर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया है।

- मार्च 2022 में आउटबाउंड शिपमेंट 40.38 बिलियन अमरीकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। मार्च 2021 में निर्यात 35.26 बिलियन अमरीकी डॉलर था।

- इस साल 21 मार्च को भारत का व्यापारिक निर्यात 400 अरब डॉलर के लक्ष्य को पार कर गया था।

- अप्रैल 2021-मार्च 2022 के दौरान कृषि निर्यात 48 बिलियन अमरीकी डॉलर को पार कर गया।

नोट: शीर्ष निर्यात गंतव्य अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, बांग्लादेश, नीदरलैंड, सिंगापुर, हांगकांग, यूके, बेल्जियम और जर्मनी हैं।

स्रोत: इंडिया टुडे

Defense

भारत-किर्गिस्तान संयुक्त विशेष बल अभ्यास का 9वां संस्करण समाप्त

चर्चा में क्यों?

- भारत और किर्गिस्तान के बीच संयुक्त विशेष बल अभ्यास का 9वां संस्करण 06 अप्रैल 2022 को समाप्त हो गया। यह संयुक्त अभ्यास विशेष बल प्रशिक्षण स्कूल, बकलोह (हिमाचल प्रदेश) में 25 मार्च 2022 को शुरू हुआ था।

प्रमुख बिंदु

- पिछले दो हफ्तों में, भारत और किर्गिस्तान के विशेष बलों के टुकड़ियों ने संघर्ष के पूरे स्पेक्ट्रम में मौजूदा और आकस्मिक खतरों का मुकाबला करने के लिए अपनी विशेषज्ञता और रणनीति, तकनीकों और प्रक्रियाओं की सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया।
- भाग लेने वाले विशेष बलों की टुकड़ियों के बीच विशेष कौशल और तकनीकों को साझा करने के अलावा, संयुक्त प्रशिक्षण ने भारत और किर्गिस्तान के बीच मौजूदा बंधन को और मजबूत किया है जिसने रणनीतिक स्वायत्तता, लोकतांत्रिक मूल्यों और आतंकवाद के लिए शून्य सहिष्णुता के लिए पारस्परिक सम्मान के वर्षों को बढ़ावा दिया है।

किर्गिस्तान के बारे में तथ्य:

- **राजधानी:** बिश्केक
- **अध्यक्ष:** सदिर जापरोव
- **मुद्रा:** किर्गिस्तान सोम

स्रोत: PIB

Science & Technology

ICMR-NIV के वैज्ञानिकों ने दक्षिण भारत के 51 चमगादड़ों के नमूनों में निपाह के खिलाफ IgG एंटीबॉडी की मौजूदगी का पता लगाया

चर्चा में क्यों?

- पुणे के इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च - नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के वैज्ञानिक कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी से पकड़े गए 51 चमगादड़ों में **निपाह वायरस संक्रमण (NiV)** के खिलाफ IgG एंटीबॉडी की उपस्थिति का पता लगाने में सक्षम थे।

प्रमुख बिंदु

- निपाह वायरस (NiV) महामारी की संभावना वाले प्राथमिकता वाले रोगजनकों में से एक है। हालांकि प्रसार SARS-CoV-2 की तुलना में बहुत धीमा है, लेकिन मामले में मृत्यु सबसे बड़ी चिंता है।
- 1998-1999 में मलेशिया में गंभीर एन्सेफलाइटिस के प्रकोप के दौरान NiV के साथ पहले मानव संक्रमण की पहचान की गई थी।
- विभिन्न प्रकोपों के दौरान पशु-से-मानव और मानव-से-मानव संचरण दोनों को प्रलेखित किया गया है।
- 1998-2018 के दौरान मलेशिया, भारत, बांग्लादेश, सिंगापुर और फिलीपींस से निपाह वायरस संक्रमण के 700 से अधिक मानव मामले सामने आए।

एंटीबॉडी:

- एंटीबॉडी, जिसे इम्युनोग्लोबुलिन भी कहा जाता है एक सुरक्षात्मक प्रोटीन है जो एक बाह्य पदार्थ की उपस्थिति की प्रतिक्रिया में प्रतिरक्षा प्रणाली जिसे एंटीजन कहा जाता है, द्वारा निर्मित होता है।
- पदार्थों की एक विस्तृत शृंखला को शरीर द्वारा एंटीजन के रूप में जाना जाता है, जिसमें रोग उत्पन्न करने वाले जीव और विषाक्त पदार्थ शामिल हैं।
- एंटीबॉडी शरीर से निकालने के लिये एंटीजन की पहचान कर उन पर हमला करते हैं।

विभिन्न प्रकार के एंटीबॉडी:

- IgG, IgM, IgA, IgD, IgE

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

भारतीय अंटार्कटिक विधेयक-2022

चर्चा में क्यों?

- भारत द्वारा पहली बार अंटार्कटिक संधि पर हस्ताक्षर करने के लगभग 40 साल बाद, सरकार जमे हुए महाद्वीप में अपने अनुसंधान स्टेशनों पर गतिविधियों को विनियमित करने और निगरानी करने के लिए **भारतीय अंटार्कटिक विधेयक-2022** का मसौदा लेकर आई है।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में मसौदा विधेयक पेश किया।

प्रमुख बिंदु

अंटार्कटिका विधेयक के बारे में:

- मसौदा विधेयक भारत में अंटार्कटिका के संबंध में पहला घरेलू कानून है।
- सत्ताईस देशों में अंटार्कटिका पर पहले से ही घरेलू कानून हैं। कई अन्य, जैसे कि भारत, अब इसका अनुसरण कर रहे हैं।
- विधेयक अब ऐसे वैज्ञानिक अभियानों के साथ-साथ व्यक्तियों, कंपनियों और पर्यटकों के लिए अंटार्कटिका से संबंधित नियमों की एक व्यापक सूची रखता है।
- विधेयक का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा भारतीय अदालतों के अधिकार क्षेत्र को अंटार्कटिका तक विस्तारित करना है, भारतीय नागरिकों या विदेशी नागरिकों द्वारा महाद्वीप पर अपराधों के लिए, जो भारतीय अभियानों का हिस्सा हैं।
- यह विधेयक भारतीय टूर ऑपरेटरों को परमिट प्राप्त करने के बाद अंटार्कटिका में काम करने में सक्षम होने का भी प्रावधान करता है।
- अंटार्कटिका में 40 स्थायी अनुसंधान केंद्र हैं जिनमें से दो मैत्री और भारती भारतीय हैं।

अंटार्कटिका संधि के बारे में:

- अंटार्कटिक संधि पर 1959 में 12 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे और यह 1961 में लागू हुआ।
- संधि का उद्देश्य अंटार्कटिका को विसैन्यीकरण करना और इसे शांतिपूर्ण अनुसंधान गतिविधियों के लिए उपयोग किए जाने वाले क्षेत्र के रूप में स्थापित करना और क्षेत्रीय संप्रभुता के संबंध में किसी भी विवाद को दूर करना है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग सुनिश्चित होता है।
- वर्तमान में, 54 राष्ट्र अंटार्कटिक संधि के हस्ताक्षरकर्ता हैं, लेकिन केवल 29 देशों को अंटार्कटिक संधि सलाहकार बैठकों में मतदान करने का अधिकार है - इसमें भारत भी शामिल है।
- भारत ने 1983 में अंटार्कटिक संधि पर हस्ताक्षर किए और उसी वर्ष सलाहकार का दर्जा प्राप्त किया।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Sports

खेल मंत्री ने डोपिंग निरोधक परीक्षण को सशक्त करने के लिए नई दुर्लभ रासायनिक संदर्भ सामग्रियों को लॉन्च किया

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (NDTL) ने स्वदेशी रूप से छह नई और दुर्लभ संदर्भ सामग्रियां (RM) विकसित की हैं, जो दुनिया भर में सभी वर्ल्ड एंटी डोपिंग एसोसिएशन (WADA) द्वारा मान्यताप्राप्त प्रयोगशालाओं में डोपिंग निरोधक विश्लेषण के लिए आवश्यक रसायन का सबसे शुद्ध रूप है।
- केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा NDTL की 15वीं शासी निकाय बैठक के दौरान संदर्भ सामग्रियों को लॉन्च किया गया।

प्रमुख बिंदु

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (NIPER)-गुवाहाटी और CSIR-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन (IIIM), जम्मू के सहयोग से NDTL द्वारा एक साल से भी कम समय में छह संदर्भ सामग्रियां विकसित की गई हैं।
- ये संदर्भ सामग्री दुनिया भर में आसानी से उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन WADA द्वारा मान्यता प्राप्त हर प्रयोगशाला द्वारा डोपिंग निरोधक विश्लेषण के लिए आवश्यक हैं।
- भारत स्वयं कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से RM आयात करता रहा है।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

ऑस्ट्रेलिया ने 7वां ICC महिला क्रिकेट विश्व कप 2022 खिताब जीता

चर्चा में क्यों?

- न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में हेगले ओवल में फाइनल में इंग्लैंड को 71 रनों से हराकर **ऑस्ट्रेलिया** ने ICC महिला क्रिकेट विश्व कप 2022 का खिताब जीता।

प्रमुख बिंदु

- यह सातवीं बार रिकॉर्ड है जब ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने विश्व कप जीता है।
- 2022 ICC महिला क्रिकेट विश्व कप महिला क्रिकेट विश्व कप का बारहवां संस्करण था, जो मार्च और अप्रैल 2022 में न्यूजीलैंड में आयोजित किया गया था।

स्रोत: इंडिया टुडे

Awards & Honours

सरस्वती सम्मान 2021 के लिए रामदरश मिश्रा का चयन

चर्चा में क्यों?

- प्रसिद्ध कवि और साहित्यकार **प्रोफेसर रामदरश मिश्रा** को उनके कविता संग्रह 'मैं तो यहां हूं' के लिए प्रतिष्ठित **सरस्वती सम्मान 2021** से सम्मानित किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- 15 अगस्त, 1924 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के डुमरी गाँव में जन्मे मिश्रा ने हिंदी साहित्य की विभिन्न शाखाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

सरस्वती सम्मान के बारे में:

- सरस्वती सम्मान भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध भारत की 22 भाषाओं में से किसी एक में उत्कृष्ट गद्य या कविता साहित्यिक कार्यों के लिए एक वार्षिक पुरस्कार है।
- सरस्वती सम्मान 1991 में केके बिड़ला फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया था। इसमें 15 लाख रुपये, एक प्रशस्ति पत्र और एक पट्टिका शामिल है।
- विद्वानों और पूर्व पुरस्कार विजेताओं को शामिल करने वाले पैनल द्वारा पिछले दस वर्षों में प्रकाशित साहित्यिक कार्यों से उम्मीदवारों का चयन किया जाता है।

Source: HT

ग्रैमी अवार्ड्स 2022

- 64वें वार्षिक ग्रैमी पुरस्कार का आयोजन लास वेगास, नेवादा में MGM ग्रैंड गार्डन एरिना में किया गया। यह पहली बार था जब अमेरिका के लास वेगास में ग्रैमी अवार्ड समारोह आयोजित किया गया था।
- हर साल, ग्रैमी संगीत कलाकारों, रचनाओं और एल्बमों को सम्मानित करते हैं।
- वे 1959 से हर साल आयोजित किए जाते हैं।
- 11 नामांकन में से 5 जीत के साथ जॉन बैटिस्ट सबसे बड़े विजेता के रूप में उभरे।
- **भारतीय-अमेरिकी गायिका फाल्गुनी शाह** ने ए कलरफुल वर्ल्ड के लिए 'बेस्ट चिल्ड्रन्स म्यूज़िक अल्बम' के लिए ग्रैमी अवार्ड 2022 जीता है।
- **भारतीय संगीत संगीतकार रिकी केज** ने ग्रैमी अवार्ड्स के मंच पर भारत को फिर से गौरवान्वित किया है। अपने एल्बम 'विंड्स ऑफ संसार' के लिए 2015 में प्रतिष्ठित संगीत पुरस्कार हासिल करने के बाद, इस साल केज ने रॉक-लीजेंड स्टीवर्ट कोपलैंड (द पुलिस) के साथ बेस्ट न्यू एज एल्बम 'डिवाइन टाइड्स' के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार जीता।

64वें वार्षिक ग्रैमी पुरस्कारों के मुख्य विजेताओं की सूची:

- एल्बम ऑफ़ द ईयर: जॉन बैटिस्ट द्वारा 'वी आर'
- रिकॉर्ड ऑफ़ द इयर: ब्रूनो मार्स और एंडरसन पाक द्वारा 'लीव द डोर ओपन'
- बेस्ट न्यू आर्टिस्ट: ओलिविया रोड्रिगो

- बेस्ट रैप एल्बम: "कॉल मी इफ यू गेट लॉस्ट," टायलर, द क्रिएटर
- बेस्ट कंट्री एल्बम: "स्टार्टिंग ओवर," क्रिस स्टेपलटन
- सॉन्ग ऑफ़ द इयर: "लीव द डोर ओपन," सिल्क सोनिक (ब्रैंडन एंडरसन, क्रिस्टोफर ब्रॉडी ब्राउन, डर्नस्ट एमिल II और ब्रूनो मार्स)
- बेस्ट रॉक एल्बम: "मेडिसिन एट मिडनाइट," फू फाइटर्स
- बेस्ट रॉक सॉन्ग: "वेटिंग ऑन अ वॉर," फू फाइटर्स
- बेस्ट म्यूजिक विडियो: "फ्रीडम," जॉन बैटिस्ट
- बेस्ट कंट्री सॉन्ग: "कोल्ड," क्रिस स्टेपलटन
- सर्वश्रेष्ठ फोक एल्बम: "दे आर कालिंग मी होम," फ्रांसेस्को तुरिसी के साथ रियानोन गिडेंस
- बेस्ट म्यूजिक फिल्म: "समर ऑफ सोल"

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Appointments/Resignations

नेपाल में राजदूत, विनय मोहन क्वात्रा को भारत का नया विदेश सचिव नियुक्त किया गया

चर्चा में क्यों?

- नेपाल में राजदूत, विनय मोहन क्वात्रा को भारत का नया विदेश सचिव नियुक्त किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- क्वात्रा हर्षवर्धन श्रृंगला का स्थान लेंगे, जो अप्रैल के अंत में सेवानिवृत्त होंगे।
- वह मार्च 2020 से नेपाल में भारत के राजदूत के रूप में कार्यरत हैं।
- विनय मोहन क्वात्रा, जो 32 वर्षों से अधिक समय से विदेश सेवा में हैं, ने फ्रांस में राजदूत के रूप में भी कार्य किया है।

स्रोत: HT

हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन ने चौथा कार्यकाल जीता

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रवादी हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन की फ़ाइड्ज़ पार्टी ने कार्यालय में चौथा कार्यकाल जीता था।

प्रमुख बिंदु

- नवंबर 2020 में विक्टर ओरबान देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बने। दिसंबर 2021 में, वह यूरोपीय संघ में सरकार के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रमुख बने।
- पहली बार 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों ने हंगरी में चुनाव की निगरानी की, एक यूरोपीय संघ के सदस्य, दोनों शिविरों के हजारों घरेलू स्वयंसेवकों के साथ।

हंगरी के बारे में तथ्य:

- **राजधानी:** बुडापेस्ट
- **मुद्रा:** हंगेरियन फ़ोरिंट

स्रोत: TOI

डॉ. एस. राजू ने भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया

चर्चा में क्यों?

- **डॉ. एस. राजू** ने कोलकाता में **भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI)** के महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया।

प्रमुख बिंदु

- उन्होंने आर एस गरखल का स्थान लिया, जो 31 मार्च 2022 को सेवानिवृत्त हुए।
- वर्तमान पद संभालने से पहले डॉ राजू GSI मुख्यालय में अतिरिक्त महानिदेशक और मिशन-III और IV के राष्ट्रीय प्रमुख के पद पर थे।

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) के बारे में:

- यह खान मंत्रालय के तहत भारत सरकार का एक संगठन है, जो दुनिया में ऐसे सबसे पुराने संगठनों में से एक है और सर्वे ऑफ इंडिया के बाद भारत में दूसरा सबसे पुराना सर्वेक्षण है।
- **मुख्यालय:** कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- **स्थापना:** 4 मार्च 1851

स्रोत: PIB

ITU की स्थायी परिषद की स्थायी समिति ने भारत की अपराजिता शर्मा को उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया

चर्चा में क्यों?

- भारत ने **अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)** के प्रशासन और प्रबंधन पर परिषद की स्थायी समिति में एक नेतृत्व की स्थिति हासिल की है क्योंकि एक भारतीय अधिकारी को उसी के लिए उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।
- 21 मार्च से 31 मार्च, 2022 तक जिनेवा में आयोजित परिषद की बैठकों में अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ ने **सुश्री अपराजिता शर्मा**, एक IP और TAF सेवा अधिकारी को प्रशासन और प्रबंधन पर स्थायी समिति के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की है।

प्रमुख बिंदु

- वह वर्ष 2023 और 2024 के लिए परिषद की स्थायी समिति की उपाध्यक्ष और वर्ष 2025 और 2026 के लिए इसके अध्यक्ष के रूप में बनी रहेंगी।

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) के बारे में:

- यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों से संबंधित सभी मामलों के लिए जिम्मेदार है।
- **मुख्यालय:** जिनेवा, स्विट्जरलैंड
- **स्थापना:** 17 मई 1865
- **प्रमुख: महासचिव;** हौलिन झाओ

स्रोत: ET

Books & Authors

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने "बिरसा मुण्डा - जनजातीय नायक" पुस्तक का विमोचन किया

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रोफेसर आलोक चक्रवाल, कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर की लिखित पुस्तक **"बिरसा मुण्डा - जनजातीय नायक"** का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- यह पुस्तक भगवान बिरसा मुण्डा के संघर्ष और स्वतंत्रता आंदोलन में वनवासियों के योगदान को सामने लाने का एक व्यापक प्रयास है।
- उन्होंने आजादी का अमृत महोत्सव पर राष्ट्रीय स्मृति में स्वतंत्रता के गुमनाम नायकों की कहानी को अंकित करने का प्रयास करने के लिए प्रो. आलोक चक्रवाल की सराहना की।

स्रोत: PIB

श्रीराम चौलिया की नई किताब "क्रंच टाइम: नरेंद्र मोदीज नेशनल सिक्योरिटी क्राइसिस"

चर्चा में क्यों?

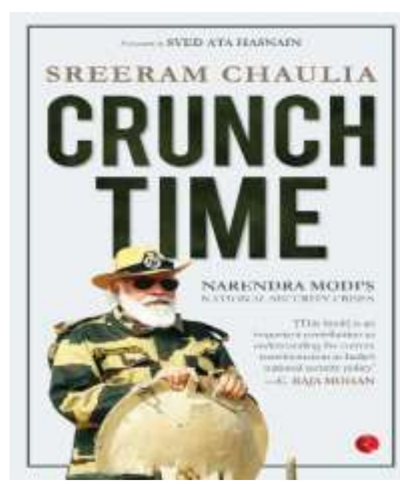

- डॉ श्रीराम चौलिया ने "क्रंच टाइम: नरेंद्र मोदीज नेशनल सिक्योरिटी क्राइसिस" नामक एक नई पुस्तक लिखी है।

मुख्य बिंदु

- इस पुस्तक का विमोचन नई दिल्ली में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने किया।
- डॉ श्रीराम चौलिया ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के जिंदल स्कूल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स के डीन हैं।

- यह पुस्तक देश को भारत के बाहरी विरोधियों द्वारा उत्पन्न सुरक्षा खतरों से बचाने के लिए राज्य में बहुत आवश्यक जनता के विश्वास पर प्रकाश डालती है।
- पुस्तक में पाकिस्तान और चीन के साथ संकट के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की निर्णय लेने की श्रृंखला का विश्लेषण किया गया है।

Important Days

7 अप्रैल, विश्व स्वास्थ्य दिवस

चर्चा में क्यों?

- विश्व स्वास्थ्य दिवस 1948 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की स्थापना की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- विश्व स्वास्थ्य दिवस 2022 का विषय 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य' है।

इतिहास:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 1948 में पहली विश्व स्वास्थ्य सभा बुलाई, जिसमें "विश्व स्वास्थ्य दिवस" की स्थापना का आह्वान किया गया।
- पहला विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल 1950 को आयोजित किया गया था, और उसके बाद हर साल उस तारीख को मनाया जाता है।

स्रोत: इंडिया टुडे

05 अप्रैल, राष्ट्रीय समुद्री दिवस

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रीय समुद्री दिवस हर साल 5 अप्रैल को मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रीय समुद्री दिवस पहली बार 5 अप्रैल 1964 को मनाया गया था।
- भारतीय शिपिंग की विरासत पहली बार 5 अप्रैल, 1919 को शुरू हुई, जब द सिंधिया स्टीम नेविगेशन कंपनी लिमिटेड द्वारा निर्मित पहला जहाज द एसएस लॉयल्टी मुंबई से यूनाइटेड किंगडम के लिए रवाना हुआ।
- भारत 1959 में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) का सदस्य भी बना।
- **नोट: विश्व समुद्री दिवस** हर साल सितंबर महीने के आखिरी गुरुवार को मनाया जाता है।

स्रोत: इंडिया टुडे

2 अप्रैल, विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस

चर्चा में क्यों?

- विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस हर साल 2 अप्रैल को मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस 2022 का **विषय** ''सभी के लिए समावेशी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा'' है।
- इस दिन का उद्देश्य ऑटिज्म के बारे में जागरूकता पैदा करना और लोगों को इस विकार से पीड़ित लोगों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

इतिहास:

- इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव द्वारा नामित किया गया था।
- विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस 1 नवंबर 2007 को परिषद में पारित हुआ, और 18 दिसंबर 2007 को अपनाया गया था।

ऑटिज्म के बारे में:

- ऑटिज्म एक न्यूरोडेवलपमेंट डिसऑर्डर है जो सामाजिक और भाषा संचार में कमी के साथ-साथ दोहराव वाले व्यवहार और प्रतिबंधित रुचियों की विशेषता है।

नोट: भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार, 19 वर्ष से कम आयु वर्ग के 7,862,921 बच्चे विकलांग हैं, जिनमें से 595,089 बौद्धिक रूप से विकलांग हैं।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर